राज्यपाल सचिवालय,
लोकभवन, राजस्थान

राज्यपाल ने षविश्व दिव्यांगता दिवस सम्मान समारोहष में बच्चों को सम्मानित किया

दिव्यांग बच्चे सामान्य से अधिक विशिष्ट हैं– राज्यपाल

जयपुर, 3 दिसंबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दिव्यांग बच्चे सामान्य से अधिक विशिष्ट हैं। उन्हें दया की नहीं समाज के समर्थन की जरूरत है। उनमें यह विश्वास जगाए जाने की जरूरत है कि वे चाहे तो सब कुछ कर सकते हैं।

श्री बागडे बुधवार को श्अभिव्यक्ति वेलफेयर सोसायटीश द्वारा आयोजित विश्व दिव्यांगता दिवस सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को यदि अवसर प्रदान किए जाए तो वे आकाश छू सकते हैं। उन्होंने दिव्यांग बच्चों से संवाद भी किया।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग जनों की मानसिक, बौद्धिक या संवेदी क्षमताएँ सामान्य व्यक्ति से अधिक होती हैं। उनके जीवन में सामान्य लोगों की तुलना में ज्यादा चुनौतियाँ और बाधाएँ होती हैं फिर भी वे अपने आपको निरंतर साबित करते हैं।

राज्यपाल ने दिव्यांगजनों के अधिकारों और कल्याण लिए सभी को समर्पित होकर कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग–बच्चे देवताओं के समान हैं। उनमें विशिष्ट गुण होते हैं। इसीलिए उन्हें श्वेदांगीश कहा गया है। वह ऐसे बच्चे होते हैं जो ज्ञान से जुड़े अंग लिए होते हैं। पर कईं बार यह अंग सुप्त हो जाते हैं, इनका उपचार यदि समुचित रूप में होता है तो यह समाज के लिए बहुत बड़ी सौगात है।

राज्यपाल ने बच्चों की प्रतिभा को आगे लाने पर जोर दिया और कहा कि भारत सरकार ने दिव्यांगजनों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने तथा उनके कौशल को पोषण देने एवं उनकी सुगमता और अधिकारों की सुरक्षा के लक्ष्य पर आधारित 'दिव्यांगजन अधिकार विधेयक –2016' पारित किया है। इस विधेयक के अंतर्गत दिव्यांग की श्रेणियों को 7 से बढ़ाकर 21 किया गया है। उन्होंने बच्चों को हुनर से जोड़ने के लिए, कलाओं से संपन्न करने के लिए कार्य करने पर जोर दिया।

इससे पहले राज्यपाल ने विश्व दिव्यांग सम्मान के अंतर्गत चयनित बच्चों को सम्मानित किया।

अभिव्यक्ति वेलफ़ेयर सोसाइटी, जयपुर
विश्व दिव्यांगता दिवस
जयपुर (राज)

अभिव्यक्ति वेलफ़ेयर सोसाइटी, जयपुर
श्री हरिभाऊ बागड़े जी
महामहिम